बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन,
पेण्डारी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

तसर रेशमकीट बीज पत्रिका

खण्ड - 06 | अंक - 01 | अप्रैल - सितम्बर, 2020

निदेशक की कलम से .....

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का बुनियादी तसर बीज उत्पादन संबंधी अग्रणी संस्थान है। संगठन कार्यालय के विभिन्न राज्यों में फैले 19 बुबीप्रवप्रकें/केतरेबीके के नेटवर्क के माध्यम से राज्य रेशम विभागों, पणधारियों एवं रेशम उत्पादक कृषकों की तसर रेशमउत्पादन संबंधी मांग एवं आपूर्ति को ध्यान में रखकर गुणवत्ता एवं मात्रात्मक प्राचलों के अनुरूप बीज आपूर्ति की जाती है। प्रकाशनाधीन अवधि में कोराना महामारी के वाबजूद हमने तसर बीज उत्पादन संबंधी गतिविधियों को अबाध रूप से जारी रखा तथा बीज आपूर्ति के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर संगठन कार्यालय की सभी इकाइयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया तथा आर. एफ. डी. के अनुसार लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु प्रयास किया। कोविड -19 महामारी के कारण देश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में कार्यों के प्रत्येक क्षेत्र में गतिरोध पैदा हुआ है। लेकिन अब धीरे-धीरे सभी गतिविधियां सामान्य होती जा रही हैं। तथा ऐसी आशा है कि शीघ्र ही उक्त महामारी से बचाव हेतु दवाई हमें उपलब्ध हो जाएगी। मुश्किल दौर के वाबजूद उक्त चुनौतियों का डटकर सामना करते हुए हमने निर्धारित सभी कार्यों को यथा संभव समय पर करने का प्रयास किया। संगठन कार्यालय एवं इसकी इकाइयों ने अधिकाशं तकनीकी कार्यक्रमों, बैठकों एवं प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ऑन लाइन रूप में आयोजित किए।

संगठन कार्यालय की तसर रेशमकीट बीज पत्रिका के इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। यह पत्रिका मुख्य रूप से राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों पर केंद्रित है तथा राजभाषा के माध्यम से संगठन कार्यालय की गतिविधियों को इसके अधीनस्थ केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, तसर रेशम उत्पादक समुदायों एवं कृषकों से संवाद स्थापित करने में एक सेतु का कार्य कर रही है। तसर संबंधी वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्यों का निर्वहन करते हुए एवं तसर रेशम उत्पादन संबंधी अनुसंधानों एवं तकनीकों को कृषकों तक पहुंचाने के लिए इस पत्रिका ने अपनी उपयोगिता साबित की है। पत्रिका का यह अंक भी पिछली छमाही में हुए क्रियाकलापों को आपसे साझा करने हेतु एक कड़ी है। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय एवं इसके अधीनस्थ केंद्रों द्वारा किए गए मुख्य – मुख्य कार्यों को आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूँ।

संगठन कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी कार्यक्रमों के अंतर्गत 02 हिन्दी कार्यशालाओं, 02 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, हिन्दी पखवाड़े का आयोजन, नराकास, बिलासपुर की बैठक में सहभागिता, बोर्ड की बैठकों में वीडीयों क्रान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता, हिंदी भाषा का प्रशिक्षण तथा राजभाषा विभाग द्वारा तैयार की गई विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकियों जैसे; लीला मोबाइल ऐप, प्रशासनिक शब्दावली ऐप, ई-महाशब्दकोश ऐप, प्रवाचक, श्रुतलेखन एवं लीला प्रवाह तथा गूगल ट्रांसलेशन, फोंट परिवर्तक एवं यूनिकोड आदि का प्रयोग करना सिखाया गया। अनुसंधान एवं तकनीकी कार्यक्रमों के अंतर्गत उक्त अवधि में लक्ष्य वार गुणवत्ता वाले तसर बीजों का उत्पादन एवं आपूर्ति, अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक, तसर जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन, जागरूकता दिवस तथा प्रक्षेत्र दिवस आदि का आयोजन किया। इसके अलावा केन्द्रीय कार्यालय से समय-समय पर प्राप्त दिशा निर्देशों का सफलतापूर्वक अनुपालन किया।

मेरा ऐसा मानना है कि पत्रिका का यह अंक न केवल तसर समुदाय के लिए उपयोगी साबित होगा बल्कि राजभाषा कार्यन्वयन में भी सहायक होगा। पत्रिका को और अधिक पठनीय एवं सृजनात्मक बनाने हेतु आप सभी पाठकों के समीक्षात्मक बहुमूल्य सुझावों का स्वागत रहेगा।

कोराना महामारी के वाबजूद भी इस पत्रिका के प्रकाशन हेतु हिन्दी अनुभाग द्वारा किए गए प्रयासों की में सराहना करता हूँ। तथा सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसके प्रकाशन में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सहयोग देने हेतु आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

डॉ. सी. श्रीनिवास
निदेशक प्रभारी

बुतरेबीसं, बिलासपुर की अप्रैल 2020 से सितम्बर 2020 तक की मुख्य उपलब्धियां

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन (बीटीएसएसओ) 09 तसर उत्पादक राज्यों में स्थित 18 बुनियादी बीज प्रगुणन व प्रशिक्षण केन्द्रों (बीएसएमटीसी) एवं एक केन्द्रीय तसर रेशमकीट बीज केन्द्र (सीटीएसएसएस), कोटा को तसर रेशमकीट बीज में सहयोग हेतु निरन्तर कार्यरत है। प्रकाशनाधीन अवधि में संगठन कार्यालय की मुख्य तकनीकी उपलब्धियां निम्नानुसार है।

- इस दौरान 106.05 लाख बीज कोसे की प्रक्रिया की गई एवं 21.21 लाख रोग मुक्त चकत्ते (बुनियादी बीजः 12.89 लाख एवं नाभिकीय बीज 8.32 लाख) का उत्पादन किया गया।
- दस तसर उत्पादक राज्यों में कुल 20.58 लाख रो.मु.च. की आपूर्ति की गई है।
- अभिग्रहित कीटपालकों एवं विभागीय कीटपालन के तहत 2.37 लाख बीज कोसे के उत्पादन के लिए 59.30 लाख कोसों का उत्पादन किया गया।
- तसर रेशम कृषकों में सामान्य जागरूकता हेतु 03 दृश्य/श्रृव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- बुतरेबीसं, बिलासपुर की अधीनस्थ इकाइयों द्वारा ग्रामीण अभिग्रहित कृषकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।
- रोग मुक्त चकत्तों एवं फोकी कोसों की बिक्री से 47.15 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई।
- बीडीआर-10 के 1.1 लाख रोमुच तैयार किए गए तथा 1.02 लाख रोमुच की राज्य रेशम विभाग को आपूर्ति की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन

1. हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन :

बुतरेबीसं, बिलासपुर में दिनांक 26-06-2020 एवं 21-09-2020 को निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में क्रमशः 02 एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यशालाओं के दौरान हिन्दी टिप्पण लेखन, पत्राचार के विभिन्न स्वरूप, वर्तनीगत भूलें एवं उनका निराकरण तथा राजभाषा विभाग द्वारा विकसित ई-महाशब्दकोश की संस्थापना एवं प्रयोग, ई-सरल हिन्दी वाक्य कोश एवं ऑनलाइन प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रमों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशालाओं में क्रमशः श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक (हिं) एवं श्री कमल किशोर बड़ोला, सहायक निदेशक (राजभाषा), केतरेउअनुवप्रसं, रांची ने प्रशिक्षक के रूप राजभाषा प्रशिक्षण प्रदान किया तथा उक्त कार्यशालाओं का समन्वयन डॉ. एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक-डी एवं हिन्दी अनुभाग प्रभारी ने किया।

2. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठको का आयोजन :

संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के सफल कार्यान्वयन हेतु दिनांक 29-06-2020 व 29-09-2020 को डॉ. सी श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर की क्रमशः 81वीं एवं 82वीं राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गयी। उक्त बैठकों में संगठन कार्यालय में राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा संबंधी लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक कदम उठाए गए।

3. अधीनस्थ केन्द्रों की समीक्षा बैठक :

दिनांक 24-08-2020, 27-08-2020 एवं 28-08-2020 को डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में बुतरेबीसं, बिलासपुर के अधीनस्थ केन्द्रों की राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही बैठक का आयोजन ऑन लाइन- गूगल मीट के माध्यम से किया गया। बैठक के दौरान सभी केन्द्रों की अक्टूबर- दिसम्बर 2019 एवं जनवरी-मार्च, 2020 की तिमाहियों की प्रगति रिर्पोटों की समीक्षा की गयी तथा आवश्यक सुझाव एवं अनुशंसाएं दी गई।

4. केन्द्रीय रेशम बोर्ड की बैठक में सहभागिता :

दिनांक 23-06-2020 एवं 29-09-2020 को वीडीयों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड की अध्यक्षता में आयोजित क्रमशः 135वीं एवं 136वीं बैठक में संगठन कार्यालय ने सहभागिता की।

5. नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक में सहभागिताः

दिनांक 26-08-2020 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बिलासपुर की छमाही बैठक में ऑन लाइन गूगल मीट के माध्यम से संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास एवं श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक हिन्दी ने भाग लिया एवं संगठन कार्यालय से संबंधित मदों पर अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

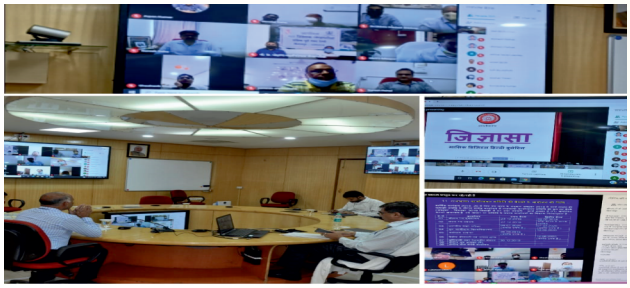

हिन्दी पखवाड़े का आयोजन

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर में दिनांक 01.09.2020 से 14.09.2020 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। दिनांक 14-09-2020 को डॉ. सी श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह का आयोजन किया गया तथा इस अवसर पर श्री विक्रम सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी एवं सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बिलासपुर, गूगल मीट के माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दिनांक 01-09-2020 को पखवाड़े का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया तथा इस अवसर पर श्री फूल सिंह लोधी, कनिष्ठ अनुवादक (हिं) ने संगठन कार्यालय द्वारा वर्ष 2019-20 के दौरान किये गये कार्यों पर पावर प्वाइंट के माध्यम से संक्षिप्त में प्रकाश डालते हुए पखवाड़े के दौरान किये जाने वाले कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। पखवाड़े के दौरान डॉ.एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक-डी एवं हिन्दी अनुभाग प्रभारी की अध्यक्षता में दिनांक 03-09-2020 को हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का तथा दिनांक 07-09-2020 को टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 14-09-2020 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर माननीय गृहमंत्री जी, माननीय वस्त्र मंत्री जी, सचिव वस्त्र एवं सदस्य सचिव केन्द्रीय रेशम बोर्ड के संदेशो का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने हिन्दी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में हिन्दी की प्रासंगिता को बताया साथ ही आपने कहा कि हिन्दी आम जन की भाषा है तथा हिन्दी के द्वारा ही दूर-दराज के ग्रामीण इलाको में कार्यरत तसर कृषकों से प्रभावी संवाद स्थापित किया जा सकता है। तथा इसके बाद पखवाड़े के दौरान आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही हिन्दी में वर्ष 2019-20 के दौरान सरकारी काम-काज मूल रूप से करने संबंधी योजना के अंतर्गत भी पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संगठन कार्यालय, रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, बिलासपुर तथा बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया।

अर्धवार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन

डॉ. सी. श्रीनिवास, निदेशक प्रभारी की अध्यक्षता में दिनांक 24-08-2020, 27-08-2020 एवं 28-08-2020 को बुतरेबीसं, बिलासपुर के 09 राज्यों में स्थित बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों एवं केतरेकीबीके, कोटा के वैज्ञानिकों से तसर बीज उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति में बीज संगठन की भूमिका एवं संभावनाओं पर चर्चा करते हुए तसर रेशमकीट बीज उत्पादन संबंधी मांग, आपूर्ति, गुणवत्ता एवं आगामी वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कार्य योजना की समीक्षा की गई। उक्त बैठक का समन्वयन डॉ.एम.एस. राठौड़, वैज्ञानिक-डी ने किया।

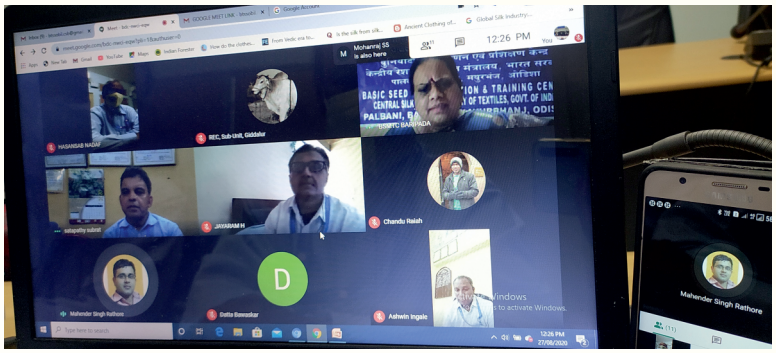

स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

बुतरेबीसं, कार्यालय के परिसर में दिनांक 15 अगस्त, 2020 को प्रातः 9 बजे से स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने झंडा वदंन किया तथा स्वतंत्रता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उक्त अवसर पर संगठन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बुतरेबीसं, बिलासपुर, बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर एवं रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र, केरेप्रौअसं, बिलासपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

जांजगीर चांपा का दौरा

संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्री निवास ने दिनांक 08-10-2020 को जेवरा एवं जांजगीर चांपा स्थित केन्द्र का दौरा किया तथा तसर रेशम उत्पादन संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण किया।

विश्वकर्मा जयंती का आयोजन :

दिनांक 17-09-2020 को संगठन कार्यालय में विश्वकर्मा जयंती का आयोजन किया गया उक्त अवसर पर संग ठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास ने बुतरेबीसं कार्यालय के सभी सरकारी वाहनों की पूजा की।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, बिलासपुर एवं इसकी अधीनस्थ इकाइयों में प्रकाशनाधीन अवधि में स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया गया तथा कोराना महामारी (कोविड-19) के सबंध में समय-समय पर संगठन कार्यालय के निदेशक प्रभारी डॉ. सी. श्रीनिवास द्वारा मार्गदर्शन दिया गया तथा उन्होंने बताया कि कोविड -19 संक्रमण के प्रसार को रोकने की जरूरत है और किसी भी इकाई में कोविड -19 के संदिग्ध मामले में समय पर प्रभावी तरीके से कार्रवाई करें, ताकि संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। उन्होंने केंद्र के सभी प्रभारियों को समय-समय पर भारत सरकार, केंद्रीय कार्यालय एवं बुतरेबीसं द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और निर्देशों का पालन करने की सलाह दी। उन्होंने इकाई प्रभारियों को सलाह दी कि वे निवारक उपायों का पालन करें जैसे कि सार्वजनिक स्थानों पर न्यूनतम 6 फीट की दूरी बनाए रखना, जहाँ तक संभव हो, फेस कवर / मास्क का अनिवार्य उपयोग, साबुन से हाथ धोने की आदत तथा अल्कोहल-आधारित सेनेटाइजर का उपयोग करें, तथा

खांसते अथवा छींकते समय टिसू पेपर / रूमाल आदि से मुंह ढंके एवं अपने अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप की स्थापना एवं इसका उपयोग करें साथ ही कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग एवं हैंड सेंनेटाइजर का रखरखाव करें।

ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिताः

संगठन कार्यालय बिलासपुर के डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक –डी, डॉ हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक – सी एवं डॉ. चन्द्रशेखरैय्या, वैज्ञानिक - सी ने राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) हैदराबाद द्वारा "प्रोडक्शन प्रोटोकाल फॉर प्रीडेटरस एण्ड पेरासिटोडियस एण्ड वर्टीर्वेट पेस्ट मेनेजमेंट – वाइल्ड बोअर, मंकी एण्ड बर्ड" विषयों पर दिनांक 20-07-2020 से 24-07-2020 एवं 29-07-2020 से 31-07-2020 तक क्रमशः आयोजित ऑन लाइन प्रशिक्षण में भाग लिया।

सफल तसर रेशम उत्पादक कृषक की कहानी

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय रेशम बोर्ड,पेण्डारी, बिलासपुर

तसर रेशम ग्राम-गोबंद तहसील-तखतपुर जिला बिलासपुर कृषकों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए तसर रेशम कोसाफल उत्पादक कृषकों को सर्वप्रथम कीटपालन हेतु सर्वे के दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच व वार्ड मेम्बर से मिलकर रेशम के बारे में जानकारी दी गयी। यहाँ के कीटपालक अभिग्रहित किसान / कृषक बहुत ही कर्मठ परिश्रमी है। गोबंद फार्म में अर्जुन पौधे लगाये गये हैं जो लगभग 62 एकड़ में है। गोबंद में समिति के माध्यम से कीटपालन किया जाता है गोबंद फार्म मुख्य रूप से सफल रेशम उत्पादक कृषक श्री तितरा कुमार गोंड का समिति/समूह है। वर्ष में दो फसल डाबा त्रिप्रज का कीटपालन कर कोसा फलों का उत्पादन करते हैं। कीटपालक समिति में श्री तितरा कुमार गोंड (अध्यक्ष) एवं 20 सदस्य हैं, ये लोग बहुत अनुभवी तरीके और प्रशिक्षण प्राप्त तकनीक को अपना कर कीटपालन करते हैं जिससे इनको लाभ ही लाभ होता है। कीटपालन के दौरान वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान व अनुभव बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर के वैज्ञानिक व तकनीकी कर्मचारियों द्वारा अवगत कराया जाता है।

श्री तितरा कुमार गोंड एवं समूह का विगत तीन वर्षों के कोसा उत्पादन एवं आमदनी का ब्यौरा

क्रमांक	वर्ष/फसल	स्त्रोत	प्रजाति	स्व.डि.स.	उत्पादन	औसत	बीज कोसा (संख्या)	आय (₹)
1	2017-18 प्रथम	बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर	DTV	1000	93265	93.27	91900	183800.0
2	2017-18 तृतीय	बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर	DTV	1500	143010	95.34	131650	394950.00
3	2018-19 तृतीय	बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर	DTV	2000	172000	86.0	163310	489930.0
4	2019-20 तृतीय	बुबीप्रवप्रके, बिलासपुर	DTV	1300	115300	88.69	109650	328950.0

उनके द्वारा पूर्व में परम्परागत तरीके से कीटपालन कार्य किया जाता था, जिससे लाभ कम प्राप्त होता था किन्तु कीटपालन में नई तकनीक अपनाकर जैसे प्रक्षेत्र की साफ-सफाई, 9:1 के अनुपात में चूनाःब्लीचिंग से प्रक्षेत्र का निःसंक्रमण करना, जीवन सुधा पाउडर का उपयोग करना, लेबेक्स पाउडर का उपयोग करना एवं अन्य तकनीकी अपनाकर उसके अनुसार कार्य करने से उत्पादन में वृद्धि हुई जिससे आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर सुधार हुआ है।

रिपोर्ट : डॉ.सी.श्रीनिवास (वैज्ञानिक-डी), सविता अग्रवाल (तकनीकी सहायक), एस.के.ठाकरे (तकनीकी सहायक) एन.एस.दमाहे (तकनीकी सहायक) अभिनंदन यादव (प्रक्षेत्र सहायक) बु.बी.प्र.व.प्र.के., पेण्डारी।

महिला तसर रेशम कृषक की सफलता की कहानी

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बालाघाट (म.प्र.):

रेशम कृषक **श्रीमती कला बाई लाडे** पत्नी श्री डुलीचन्द लाडे ग्राम रजेगांव तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट की निवासी है। इनका जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था। बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बालाघाट के तकनीकी मार्गदर्शन में वर्ष 2018-19 से तसर कीटपालन कार्य करना प्रारम्भ किया। तदोपरांत उन्हें आय के इस अतिरिक्त साधन से मुनाफा होने पर उन्होंने अपने रहने के लिए घर,मोटर साईकिल,बैलगाड़ी एवं गाय-बैल आदि खरीदने में पति को सहयोग किया तथा अपनी दोनों बच्चियों को अच्छी शिक्षा दिलवाकर बड़ी बेटी का विवाह भी करवा दिया। रेशम की खेती करने से प्राप्त अतिरिक्त आय से वह अपनी रोज़मर्रा की आवश्यकताएं भी पूरी कर रही है। महिला कृषक द्वारा प्रति वर्ष अधिकतम 45-50 दिनों में की गई तसर रेशम की खेती से प्राप्त आय की विवरणी नीचे दी जा रही है।

क्रं.	वर्ष	पालित स्व. डि.स.	उत्पादित कोसों की संख्या	दर (प्रति हजार)	प्राप्त मूल्य राशि
1	2018-19	300	19,350	1800.00	34,830.00
2	2019-20	200	15,548	,,	27,986.00

रिपोर्टः डॉ. बावस्कर दत्ता मदन, वैज्ञानिक – बी, बुबीप्रवप्रकें,बालाघाट (म.प्र.).

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण, खरसावांः

श्री रॉय दास पिता स्वर्गीय श्री सिंगरे बोदरा, गांव, डेंगो : पंचायत, डेंगो : ब्लॉक, कुचाई, जिला - खरसवां आधार नं 534452456075, झारखण्ड के निवासी है। श्री रॉयदास बोदरा ने बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण, खरसावां से रोमुच प्राप्त किए हैं। वर्तमान में वह तसर रेशमकीट पालन में पूरी तरह से लगे हुए हैं। उनके परिवार में पत्नी व 5 वर्ष का बेटा है। श्री रॉयदास बोदरा ने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की है तथा उनकी आयु लगभग 27 वर्ष है। उनकी पत्नी ने भी 5 वीं तक पढ़ाई करके स्कूल छोड़ दिया है। दोनों वर्तमान समय में कृषि, मजदूरी तथा तसर पालन में लगे हुए हैं। उन्होंने वर्ष 2019 की द्वितीय फसल हेतु वन क्षेत्र में 200 रोमुच का पालन बुबीप्रवप्रके, खरसावां के तकनीकी अधिकारी और कर्मचारियों की निरंतर देखरेख में किया। उन्होंने लगभग 20,000 कोकून का उत्पादन किया तथा 64000 / - की आय पैदा की।

रिपोर्ट - वैज्ञानिक – बी, बुबीप्रवप्रके, खरसावां

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, काठीकुण्डः

धनकुट्टा,काठीकुण्ड, दुमका के रहने वाले **श्री अनंत मराण्डी** का कहना है कि बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड में प्रशिक्षण से पहले मैंने 150 रोग मुक्त चकत्तों का कीटपालन का कार्य दो फसल में किया था जिससे उनकी आमदनी काफी कम होती थी। घर के खर्च मुश्किल से चलते थे क्योंकि मेरे परिवार में मैं और मेरी पत्नी के अलावा 7 सदस्य हैं प्रशिक्षण के उपरांत मैंने बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड से वर्ष 2017-18 में 350 रोमुच लिए जिससे 14000 कोसों का उत्पादन किया तथा रु 37,720/- प्राप्त हुई। वर्ष 2018-19 में 385 रोमुच का कीटपालन कर 15100 कोसो का उत्पादन किया जिससे 39,500/- रूपये की आमदनी हुई तथा वर्ष 2019-20 में 350 रोमुच का कीटपालन कर 15450 कोसों का उत्पादन किया तथा 41400/- की आमदनी प्राप्त हुई। बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मेरे आर्थिक जीवन में काफी सुधार हुआ है। मैं और मेरा परिवार तसर कोसा उत्पादन से संबंधित कार्य करके बहुत खुश हूँ।

श्री दशरथ मुर्मू, आसनबनी का कहना है कि बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड में प्रशिक्षण से पहले मैंने 200 रोग मुक्त चकत्तों का कीटपालन कार्य दो फसल में किया था जिससे मेरी आमदनी काफी कम होती थी। घर का खर्च मुश्किल से चलता था। क्योंकि मेरे परिवार में तीन बेटियों सहित कुल 05 सदस्य हैं। प्रशिक्षण के उपरांत मैने बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड से वर्ष 2017-18 में 300 रोमुच का कीटपालन किया तथा 13000 कोसों का उत्पादन किया जिससे 35100/- रूपये की आमदनी हुई तथा वर्ष 2018-19 में 300 रोमुच का कीटपालन किया जिसमें 9000 कोसों का उत्पादन हुआ, जिससे 22000 हजार रूपये की आमदनी हुई इसी प्रकार वर्ष 2019-20 में 350 रोमुच का कीटपालन किया जिससे 11000 कोसों का उत्पादन कर 30800/- रूपये की आमदनी हुई। बुबीप्रवप्रके, काठीकुण्ड से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मेरे आर्थिक जीवन में काफी सुधार हुआ है।

अधीनस्थ केन्द्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट

बुनियादी बीज़ प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बालाघाटः

बुनियादी बीज़ प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र बालाघाट में दिनाँक 29.09.2020 को डॉ. बाबस्कर दत्ता मदन, वैज्ञानिक – बी की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि श्री वसुदेव भूते, हिन्दी व्याख्याता, महर्षि विद्यालय उपस्थित रहें तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके करकमलों से पुरस्कार वितरित किए गए।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्तरः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्तर में दिनांक 28-09-2020 को डॉ. शान्थन बाबू, वैज्ञानिक – डी एवं प्रभारी की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के करकमलों से निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर में दिनांक 14.09.2020 से 21.09.2020 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया। दिनांक 21 सितम्बर, 2020 को आयोजित समापन कार्यक्रम में श्री उदय नारायण सिंह, वैज्ञानिक-डी (सेवानिवृत्त) केन्द्रीय रेशम बोर्ड मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, केन्दुझरः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, केन्दुझर में केन्द्र के प्रभारी डॉ. सुब्रत सतपथी, वैज्ञानिक-डी की अध्यक्षता में दिनांक 01.09.2020 से 14-09-2020 तक हिन्दी पखवाड़ा - 2020 का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर केन्द्र प्रभारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी की उत्तरोत्तर उन्नत्ति हेतु सुझाव दिए। श्री र.च.पृष्टि, सहायक अधीक्षक (प्रशासान) ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। दिनांक 14-09-2020 को पखवाड़े का समापन समारोह एवं हिन्दी दिवस का का आयोजन किया गया।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, भंडाराः

दिनांक 28-07-2020 को बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, भंडारा के खापा प्रक्षेत्र में डॉ. पी. सी. गेडाम, वैज्ञानिक – सी एवं प्रभारी की अध्यक्षता में राज्य सरकार की कोविड-19 के दिशानिर्देशों के अनुसार तसर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया उक्त अवसर पर जिला रेशमउत्पादन अधिकारी भंडारा भी उपस्थित रहे।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सुंदरगढ़ः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, सुंदरगढ़ में डॉ. एन. बी. चौधरी, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में दिनांक 30-09-2020 को तसर कृषक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में 56 कृषकों ने सहभागिता की।

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पटेलनगरः

बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पटेलनगर में डॉ. रीता बनर्जी, वैज्ञानिक – डी की अध्यक्षता में दिनांक 23-09-2020 को तसर कृषक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में 32 कृषकों ने सहभागिता की।

कोरोना से घबराएँ नहीं सावधानी बरतें।

- दिन में कई बार अपने हाथों को 20 सेकेण्ड तक साबुन व पानी से धोएँ।
- यदि सेनिटाइजर का प्रयोग कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि इसमें 60% या इससे अधिक अल्कोहल हो।
- यदि किसी व्यक्ति को बुखार है या खांस या छींक रहा है तो उससे कम से कम 2 मीटर की दूरी बनाकर रखें।
- अपनी आंख, नाक व चेहरे को न छुएं तथा हर एक घंटे में या जैसा संभव हो गरम पानी पीते रहें।
- अनावश्यक यात्रा से बचें।

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, बिलासपुर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रखने हेतु प्रोत्साहित करता है।

सेवानिवृत्ति

श्री. जी. सी. पात्रा, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, बारीपदा (30-04-2020)	श्री एल. डी. धिराहे, सहायक अधीक्षक (प्रशासन), बुतेरबीसं, बिलासपुर (31-07-2020)
श्री गुलाब चन्द्र नामदेव, एमटीएस, बुतरेबीसं, बिलासपुर (31-05-2020)	श्री पी. के. खोसला, सहायक अधीक्षक (प्रशासन), बुबीप्रवप्रके, नवरंगपुर (31-07-2020)
श्री जोगेश चन्द्र मिश्रा, एमटीएस, बुबीप्रवप्रके, भंडारा (31-05-2020)	श्री भक्तिपाल, एमटीएस, बुबीप्रवप्रके, काठीकुंड (31-08-2020)
श्री आर. बी. निखडे, सहायक तकनीशियन, बुबीप्रवप्रके, भंडारा (30-06-2020)	श्री एस के रत्नेर, तकनीकी सहायक, बुबीप्रवप्रके, भंडारा (31-08-2020)
श्री शत्रुघन साहू, एमटीएस, बुबीप्रवप्रके, सुन्दरगढ़, (30-06-2020)	श्री पुनीराम, एमटीएस, बुबीप्रवप्रके, पाली (30-09-2020)

कार्य ग्रहण

डॉ. (सुश्री) मनोजा पटनायक मोहंती, वैज्ञानिक-डी, बुबीप्रवप्रके, बारीपदा (07-07-2020)	डॉ. प्रशांत कुमार कर, वैज्ञानिक – डी, बुबीप्रवप्रके, पाली (19-10-2020)

स्थानांतरण

डॉ. के. प्रकाश, वैज्ञानिक – डी
बुबीप्रवप्रके, पाली से बुबीप्रवप्रके, रंपाचोडावरम (31-07-2020)

आकस्मिक निधन

श्री सुव्रत सेठी,
सहायक अधीक्षक (प्रशासन), बुबीप्रवप्रके, बारीपदा (20-09-2020)

संरक्षण एवं प्रकाशन	प्रधान संपादक	संकलन व संपादन	तकनीकी सहयोग
डॉ. सी. श्रीनिवास निदेशक (प्रभारी)	डॉ. एम. एस. राठौड़, वैज्ञानिक - डी डॉ. चन्द्रशेखरैय्या, वैज्ञानिक - सी	श्री फूल सिंह लोधी कनिष्ठ अनुवादक (हिन्दी)	डॉ. हसनसाब नदाफ, वैज्ञानिक – सी डॉ. विशाका,जी. वी., वैज्ञानिक – बी श्री के. के. मोदक, तकनीकी सहायक श्री बैद्यनाथ मिश्रा, तकनीकी सहायक

© प्रकाशकः निदेशक, बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार), प्रथम तल, पेण्डारी, पोस्ट ऑफिस- भरनी, व्हाया- गनियारी, बिलासपुर-495112(छत्तीसगढ़), दूरभाषः 07752-291738, 291735 फैक्स : 07752-291735
ई-मेलः btssobil.csb@nic.in, वेबसाइट : www.btsso.org